सम्मेलन

आइआइएम रायपुर में डिजिटल अर्थव्यवस्था पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

डिजिटल अर्थव्यवस्था ग्रामीण भारत के लिए बेहतर

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

आइआइएम में डिजिटल अर्थव्यवस्था पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आइसीडीई-2019 का आयोजन हुआ। इसमें तीन दिनों तक शेपिंग थ्रू रिव्यू पर एक कार्यशाला प्रो. प्रिया सीतारमण, एसोसिएट प्रोफेसर आइआइएम कोलकाता और प्रो. सुनील मिठास, दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई। शोध पत्रों की समीक्षा प्रक्रिया के बारे में बात की, जिसमें आइटी प्रभावित उपक्रमों में व्यक्तियों का सामाजिक-सांस्कृतिक लेन-देन, ग्रामीण भारत पर एक केस स्टडी' शीर्षक से शोध पत्र का उल्लेख किया गया है।

रायपुर। आइआइएम के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए वक्ता। ● नईदुनिया

प्रो. प्रिया सीतारमण ने एक समीक्षक की दृष्टि से एक शोध पत्र को जांचने, समीक्षा के प्रकार, सहकर्मी की समीक्षा का महत्व, प्रतिमान बदलाव (पैराडिग्म शिफ्ट) और विचारों के परस्पर विरोधी बिंदु, जो शोध पत्र की समीक्षा करते समय प्रत्येक समीक्षक की हो सकती है, जैसी कई प्रमुख अवधारणाओं पर बात की। उन्होंने कहा कि नए विद्यार्थियों को क्लासिक पेपरों को पढ़ना और समझना चाहिए और अपनी चल रही परिकल्पना के लिए समर्थन इकट्ठा करने के लिए पर्याप्त पृष्ठभूमि अध्ययन करना चाहिए।

प्रो. सुनील मिठास ने प्रस्तुतकर्ता का मूल्यांकन करते समय उन पहलुओं पर बात की। उन्होंने स्कॉलर्स से आग्रह किया कि जितना संभव हो सके, नवाचार करें। उन्होंने मंच पर युवा स्कॉलर्स को सलाह दी कि वे खुद का कम न आकें और यह कि हर विचार मूल्यवान है और आपको इसे निरंतर निखारने का काम करते रहना चाहिए। कार्यशाला में अतिथियों ने अकादमिक छात्रवृत्ति की कला विषय पर कहा कि विद्वान का महत्व केवल उनके कामों से नहीं है, बल्कि यह भी कि वे किससे प्रेरणा लेते हैं। शिव कुमार, हेड (डेटा साइंस), महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप द्वारा एक अन्य विचारोत्तेजक जानकारी दी गई। उन्होंने आगे की परियोजना नियोजना के प्रत्येक चरण पर खर्च किए जाने वाले समय की मात्रा और शासन संरचना को स्पष्ट किया।

Naidunia, 9th Dec. 2019,p.2.jpg